विचार बिन्दु

पराधीन को जिन्दा कहें, तो मुर्दा कौन है। –हितोपदेश

वेनेजुएला पर अमेरिका का आधिपत्य संयुक्त राष्ट्र संघ बना अप्रासंगिक

जिस प्रकार गत शनिवार को 30 मिनट के सैन्य ऑपरेशन में अमेरिका द्वारा दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को गिरफ्तार कर अमेरिका ले जाया गया, उसने एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र संघ की उपयोगिता और प्रासंगिकता पर प्रश्न चिन्ह खडा कर दिया है। इसके पहले कि हम संयुक्त राष्ट्र संघ की समाप्त होती प्रासंगिकता पर विचार करें, यह होगा कि इसकी स्थापना की पृष्ठभूमि और इसके उद्देश्यों का उल्लेख किया जाए।

राष्ट्र संघ द्वारा द्वितीय विश्व युद्ध को रोकने में असफल रहने पर द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद 1945 में 51 देशों ने मिलकर संयुक्त राष्ट्र संघ का गठन किया। इसके मुख्य उद्देश्य इस प्रकार थे–

1. अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को सुनिश्चित करना और विश्व युद्ध को रोकना
2. इसके सदस्य देशों में मित्रता व्यवहार विकसित करना
3. वैश्विक समस्याओं पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्राप्त करना
4. मानव अधिकारों का सम्मान करना एवं उनका संवर्धन करना
5. उपरोक्त उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए संवाद स्थापित करने हेतु मंच प्रदान करना

24 अक्टूबर, 1945 को स्थापित किए गए संयुक्त राष्ट्र संघ के वर्तमान में 193 देश सदस्य हैं। विश्व के लगभग सभी स्वतंत्र राष्ट्र इसके सदस्य हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए इसकी अन्य संस्थाएं भी बनाई गई जैसे सुरक्षा परिषद, विश्व बैंक, विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनेस्को, यूनिसेफ आदि।

प्रारंभिक कुछ वर्षों में संयुक्त राष्ट्र संघ ने विभिन्न देशों के संघर्ष को रोकने में एवं विकासशील देशों को आगे बढाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जब कोई देश संयुक्त राष्ट्र संघ के द्वारा पारित प्रस्ताव का उल्लंघन करता दिखाई दिया, तो उसके विरुद्ध कई प्रकार के प्रतिबंध भी लगाए गए, जिसका अन्य सदस्य देशों ने पालन भी किया।

संयुक्त राष्ट्र संघ के विभिन्न क्रियाकलापों के लिए अधिकांश वित्तीय सहायता अमेरिका द्वारा दी जाती है। इसका मुख्यालय भी न्यूयॉर्क में है। इस संस्था से यह अपेक्षा थी कि वह विभिन्न देशों के मध्य शांति स्थापित करेगा और प्रत्येक सदस्य राष्ट्र की संप्रभुता पर किसी प्रकार की आंच नहीं आने देगा। जब भी किसी राष्ट्र ने किसी दूसरे राष्ट्र की स्वतंत्रता पर आघात पहुंचाने का प्रयास किया तो संयुक्त राष्ट्र संघ एवं उसकी एक घटक संस्था सुरक्षा परिषद के माध्यम से आक्रामक देश को नियंत्रित करने का काम भी किया। अनेक बार सुरक्षा परिषद और महा सभा द्वारा इस प्रकार के देशों के विरुद्ध निंदा प्रस्ताव पारित किए गए।

संयुक्त राष्ट्र संघ अपनी स्थापना के 80 वर्ष पूरे कर चुका है एवं इसकी सफलता का एक पैमाना यह माना जा सकता है कि यह संस्था अभी तक अस्तित्व में है और यह 80 वर्षों में तीसरा विश्व युद्ध रोकने में सफल हुई है। अब संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रभावशीलता एवं इसका महत्व धीरे-धीरे कम हो गया है। ऐसी स्थिति उत्पन्न करने में मुख्य भूमिका अमेरिका ने निभाई है। अमेरिका द्वारा, विशेषकर डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद, संयुक्त राष्ट्र संघ को दी जाने वाली आर्थिक सहायता बहुत कम कर दी गई है, जिसके कारण इसके विभिन्न कार्यक्रम प्रभावित हुए हैं।

चूंकि संयुक्त राष्ट्र संघ, सभी सदस्य देशों की ही एक संस्था थी है, इसलिए नैतिक रूप से इसके सदस्य राष्ट्रों पर यह दबाव था कि वे संयुक्त राष्ट्र संघ में लिए गए निर्णयों की पालना करें और उनकर सम्मान करें। धीरे-धीरे, कुछ राष्ट्रों ने, विशेष कर ,अमेरिका और चीन ने इसकी परवाह करना बंद कर दिया और अपनी मनमानी करने लगे।

संयुक्त राष्ट्र संघ में अमेरिका का सदा ही वर्चस्व रहा है। सुरक्षा परिषद के स्थाई सदस्यों को यह अधिकार प्राप्त है कि वे किसी भी प्रस्ताव को वीटो कर सकते हैं अर्थात किसी भी प्रस्ताव पारित होने से रोक सकते हैं। जब से चीन संयुक्त राष्ट्र संघ का सदस्य बना है, तब से कई बार भारत के पक्ष में होने वाले निर्णय को चीन ने वीटो के द्वारा रोक दिया है।

यह सही है कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद कोई विश्व युद्ध नहीं हुआ किंतु संघर्ष की स्थिति अनेक स्थानों पर बनी।

गत कुछ वर्षों में विश्व में इस प्रकार के संघर्ष हुए जिससे संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रभावशीलता पर प्रश्न चिन्ह लगे जैसे अमेरिका द्वारा अफगानिस्तान, इराक और ईरान पर आक्रमण, इजरायल द्वारा फलस्तीन पर आक्रमण, रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण। कुछ साल पहले अमेरिका ने पाकिस्तान में घुसकर ओसामा बिन लादेन को मार दिया और अंतरराष्ट्रीय जगत कुछ नहीं कर पाया। इसी प्रकार चार वर्षों से रूस ने यूक्रेन के विरुद्ध युद्ध छेड रखा है और एक तरह से यूक्रेन को तबाह कर दिया है। यूक्रेन पूर्व सोवियत संघ का ही एक भाग था। रूसी राष्ट्रपति पुतिन अभी तक अपने आक्रामक रवैए को बनाए रखे है।

अधिकांश वैश्विक संस्थाएं अधिकतर अमेरिका के आर्थिक सहयोग पर निर्भर करती हैं और जब वही इन संस्थाओं को वित्तीय सहायता बंद कर दे, तो इन संस्थाओं को चलाना वैसे भी कठिन हो जाएगा। कुल मिलाकर हम यह कह सकते हैं कि संयुक्त राष्ट्र संघ अपनी उपयोगिता और प्रासंगिकता लगभग पूरी तरह खो चुका है और उसे बनाए रखने का अब कोई औचित्य नहीं है।

गत कुछ वर्षों में संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका एक अधिकार विहीन मूक दर्शक की हो गई है। इसके द्वारा पारित प्रस्तावों की कोई परवाह नहीं करता है।कोई भी देश, जब चाहे, किसी दूसरे देश की संप्रभुता पर चोट कर रहा है।

गत शनिवार को तो अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय कानून की धज्जियां उडा दीं जब उसने वेनेजुएला पर आक्रमण करके वहां के राष्ट्रपति को बंदी बनाकर अमेरिका ले गया और उस पर अधिपत्य जमा लिया। उल्लेखनीय है कि वेनेजुएला की जनसंख्या लगभग तीन करोड है और विश्व का सर्वाधिक तेल भंडार यहां है। यह अंतरराष्ट्रीय कानून का घोर उल्लंघन था और संयुक्त राष्ट्र के सिद्धांतों के भी विपरीत भी, किंतु अभी तक संयुक्त राष्ट्र संघ अथवा सुरक्षा परिषद ने इस बारे में कोई भी कार्रवाई नहीं की है। जब से डोनाल्ड ट्रंप दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बने हैं, वे अपने अजीबोगरीब बयानों के लिए जाने जाते रहे हैं। कभी शांति दूत की तरह अपनी पहचान बनाना चाहते हैं और स्वयं को नोबेल शांति पुरस्कार का अधिकारी घोषित कर देते हैं। पाकिस्तान द्वारा उन्हें नोबेल पुरस्कार देने की सिफारिश भी करवा देते हैं। वे दावा करते हैं कि उन्होंने विश्व में आठ अलग-अलग स्थान पर देशों के बीच में युद्ध को रोका है। इनमें भारत-पाकिस्तान के युद्ध विराम का श्रेय लेने से भी नहीं चूकते और 50 से अधिक बार इस प्रकार का दावा कर चुके हैं। यह अलग बात है कि अब इस प्रकार के दावों को न केवल भारत बल्कि अन्य देश भी गंभीरता से नहीं लेते हैं।

यह एक विडंबना ही है कि ऐसा व्यक्ति जो नोबेल शांति पुरस्कार प्राप्त करने की दावेदारी कर रहा था, उसने अचानक अपने पडोसी देश वेनेजुएला पर आक्रमण करके और उस पर अधिपत्य जमा लिया। संयुक्त राष्ट्र संघ के गठन के बाद इस प्रकार किसी देश पर दूसरे देश द्वारा कब्जा करना की पहली घटना है। ट्रंप ने यह कार्रवाई वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो के ड्रग माफिया में लिप्त होने के आरोप के आधार पर करने की बात कही है। ट्रंप ने यह कार्रवाई करके संयुक्त राष्ट्र संघ के अस्तित्व पर ही प्रश्न चिन्ह लगा दिया है और इसे लगभग अप्रासंगिक बना दिया है। देखना यह है कि अमेरिका के आक्रमण के बाद चीन का क्या रुख रहता है? फिलहाल तो अंतरराष्ट्रीय जगत में एक ही बात चरितार्थ होती दिखाई देती है कि "जिसकी लाठी उसकी भैंस"।

किसी भी देश की सीमाओं का अतिक्रमण करके उस पर अधिपत्य जमाना अंतरराष्ट्रीय कानून का स्पष्ट उल्लंघन है। यह उल्लंघन अब बार-बार होने लगा है एवं इसका कोई संज्ञान संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा नहीं लिया जा रहा है।

पूर्व में अमेरिका ने इराक पर हमला यह कहते हुए किया था कि इराक के पास रासायनिक हथियार हैं जबकि इराक पर हमला समाप्त होने के बाद भी कभी यह सिद्ध नहीं हो पाया कि इराक के पास कोई रासायनिक हथियार थे।

ट्रंप अब तक पुतिन को यूक्रेन पर हमले करने से रोकने के लिए कह रहे थे किंतु अब उनका यह नैतिक अधिकार भी समाप्त हो गया है। कहीं ऐसा ना हो कि ट्रंप के द्वारा की गई कार्रवाई से प्रेरणा लेकर रूस यूक्रेन को अपने कब्जे में लेने की कार्रवाई तेजी से करने लगे। ऐसी स्थिति चीन और ताइवान के बीच में बन सकती है। यह उल्लेखनीय है कि वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो कम्युनिस्ट पार्टी के थे। रूस और चीन ने उनका समर्थन किया है। अब देखना यह भी है कि क्या रूस और चीन मादुरो का समर्थन करते हुए अमेरिका के विरुद्ध कोई सैनिक कार्रवाई करेंगे? अब तक के घटनाक्रम से ऐसा होने की संभावना कम ही दिखाई देती है।

अमेरिका, विशेष कर राष्ट्रपति ट्रंप ने कई प्रकार के अंतरराष्ट्रीय समझौतों से भी अपना हाथ खींच लिया है। जलवायु परिवर्तन के बारे में जिस प्रकार की सहायता अमेरिका द्वारा अब तक दी जाती रही थी उसे भी बंद करने की घोषणा ट्रंप ने कर दी है। अधिकांश वैश्विक संस्थाएं अधिकतर अमेरिका के आर्थिक सहयोग पर निर्भर करती हैं और जब वही इन संस्थाओं को वित्तीय सहायता बंद कर दे, तो इन संस्थाओं को चलाना वैसे भी कठिन हो जाएगा।

कुल मिलाकर हम यह कह सकते हैं कि संयुक्त राष्ट्र संघ अपनी उपयोगिता और प्रासंगिकता लगभग पूरी तरह खो चुका है और उसे बनाए रखने का अब कोई औचित्य नहीं है।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

राजस्थान संपर्क पोर्टल प्रदेशवासियों के भरोसे व संवाद का विश्वसनीय मंच बना

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार संवेदनशीलता से नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान कर रही है

अंजलिका पंवार

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार संवेदनशीलता के साथ प्रदेशवासियों की समस्याओं का समाधान कर रही है। आमजन की सहायता के लिए स्थापित राजस्थान

■ **हेल्पलाइन 181 के माध्यम से आमजन की समस्याओं की नियमित सुनवाई हो रही है**

सम्पर्क पोर्टल की हेल्पलाइन 181 सभी समस्याओं के त्वरित निस्तारण का एक बेहतरीन मंच साबित हो रही है। यह पोर्टल (हेल्पलाइन 181) प्रदेशवासियों और राज्य सरकार के बीच संवाद और समाधान के सोपान का अनूठा माध्यम बनता जा रहा है। यह प्रणाली एक ही प्लेटफार्म पर सुगम, सरल, पारदर्शी और त्वरित राहत का एक जरिया बनकर उभर रही है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा समय-समय पर स्वयं हेल्पलाइन 181 कॉल सेंटर पर पहुंच कर आमजन की समस्याओं को सुनते हैं और उनके त्वरित निस्तारित करने के लिए अधिकारियों को निर्देश भी देते हैं। राजस्थान संपर्क के माध्यम से प्रदेश में आमजन की शिकायत निवारण और राज्य सरकार के विभागों से संबंधित जानकारी प्रदान करने का मजबूत तंत्र विकसित हुआ है। यह हेल्पलाइन एक एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली के रूप में कार्य करते हुए ऑनलाइन माध्यम से तय समय सीमा में शिकायतों और सवालों को संबंधित विभागों तक पहुंचाती है। साथ ही, नागरिकों को इस संबंध में लगातार अपडेट करते हुए उनसे फीडबैक भी लेती है। राजस्थान सम्पर्क द्वारा प्रतिदिन लोगों की समस्याओं का निस्तारण किया जा रहा है।

आवश्यक दस्तावेज सम्बन्धी समस्या का समयबद्ध समाधान :- हनुमानगढ़ निवासी प्रभुराम के जाति प्रमाण पत्र से जुड़ी समस्या का समाधान राजस्थान संपर्क के माध्यम से समयबद्ध रूप से हुआ। जब राजस्व विभाग द्वारा जाति प्रमाण पत्र जारी करने में विलम्ब हुआ तो 11 अक्टूबर, 2025 को शिकायत दर्ज की गई। शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए राजस्व विभाग ने 13 अक्टूबर, 2025 को जाति प्रमाण पत्र जारी कर दिया। परिवाद के सत्यापन के दौरान शिकायतकर्ता ने संतुष्टि दर्ज करते हुए धन्यवाद भी व्यक्त किया।

इसी तरह कोटा निवासी शिवानी रजत के जनआधार में आय प्रमाण पत्र अपडेट नहीं होने से काम अटका हुआ था। 25 नवम्बर, 2025 को यह समस्या राजस्थान संपर्क पर दर्ज की गई और यहीं से समाधान की प्रक्रिया ने गति पकड़ी। शिकायत पर संज्ञान लेते हुए 28 नवम्बर, 2025 को आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा जनआधार अपडेट कर दिया गया।

सफाई की शिकायत, तुरंत कार्रवाई :- बीकानेर निवासी गोविंद सिंह ने जब अपने क्षेत्र में सफाई नहीं होने की समस्या को लेकर 11 दिसम्बर, 2025 को राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 पर शिकायत दर्ज कराई तो उन्हें तुरंत जवाब मिला। नगरपालिका बीकानेर ने तुरंत कार्रवाई करते हुए क्षेत्र में सफाई करवाकर समस्या का निस्तारण किया। यही नहीं, अंता (बारां) निवासी रवि की कॉलोनी में नाले का गंदा पानी सड़क पर बहने लगा था, जिससे परेशानी बढ़ती जा रही थी। 2 दिसम्बर, 2025 को यह समस्या राजस्थान संपर्क पोर्टल पर दर्ज हुई और समाधान भी तुरंत हुआ। शिकायत मिलते ही नगर पालिका, बारां ने उसी दिन बताए गए स्थान पर सफाई करवाई। शिकायतकर्ता से संवाद कर निस्तारण का सत्यापन भी किया गया।

खेत तक पहुंची रोशनी, कृषक को मिली राहत :- भीलवाड़ा जिले के जहाजपुर निवासी श्यामलाल के खेत पर एक महीने तक बिजली आपूर्ति बाधित होने से कृषि संबंधी कार्य बाधित हो रहा था। 26 नवम्बर को यह समस्या राजस्थान संपर्क पर दर्ज हुई। शिकायत पर त्वरित संज्ञान लेते हुए अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड ने 28 नवम्बर को खेत पर बिजली आपूर्ति सुचारु कर दी।

सुविधाओं का सुचारू संचालन हुआ सुनिश्चित :- सलूम्बर के बामनिया निवासी महेश कुमार के क्षेत्र में पाइपलाइन टूट जाने से जल आपूर्ति प्रभावित हो रही थी। कई बार सूचना देने के बाद भी समस्या जस की तस बनी रही, तब 5 दिसम्बर को यह शिकायत राजस्थान संपर्क पर दर्ज की गई। शिकायत मिलते ही जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग सक्रिय हुआ और 7 दिसम्बर, को संबंधित उपखंड के सहायक अभियंता द्वारा टूटी पाइपलाइन को ठीक करवा दिया गया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

ऐसा ही एक मामला सवाईमाधोपुर जिले के बोली क्षेत्र में देखने को मिला, जब सार्वजनिक हैंडपंप खराब होने से पेयजल समस्या उत्पन्न हो गई। स्थानीय निवासी श्री दिनेश कुमार ने 12 अक्टूबर को यह शिकायत राजस्थान संपर्क पर दर्ज कराई और प्रशासन ने तुरंत संज्ञान लिया। अगले ही दिन, 13 अक्टूबर को जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा हैंडपंप को ठीक करवा दिया गया।

उपरोक्त सभी उदाहरण यह साबित करते है कि जब नागरिक अपनी समस्या सही मंच तक पहुंचाते हैं, तो प्रशासन भी उतनी ही संवेदनशीलता और तत्परता से समाधान सुनिश्चित करता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा संचालित राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन नागरिक और सरकार के बीच विश्वास की वह कड़ी है, जहां हर शिकायत सिर्फ सुनी ही नहीं जाती, बल्कि जमीनी स्तर पर कार्रवाई के साथ उसका समाधान किया जाता है। यही जनसेवा की सच्ची पहचान है।

अंजलिका पंवार,
एपीआरओ, राजस्थान सरकार

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप शिक्षा में नवाचार

बच्चों को खेल-खेल में मिलेगी शिक्षा, बच्चों पर किताबों का भार होगा कम

डॉ. अमृता कटारा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार शिक्षित राजस्थान-समर्थ राजस्थान के संकल्प को साकार करने की दिशा में निरंतर प्रभावी कदम उठा रही है। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्राथमिक शिक्षा को अधिक बाल अनुकूल, सरल और सीखने में रुचिकर बनाने के उद्देश्य से पाठ्यपुस्तकों के भार को कम करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। यह पहल न केवल विद्यार्थियों के शारीरिक स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है बल्कि विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता और रुचि को भी बढ़ाने वाली साबित होगी।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 प्री स्कूल और प्राथमिक शिक्षा में स्थानीय बोली में शिक्षा देने, बस्ते के बोझ को कम करने तथा खेल-खेल में पढ़ाने पर केन्द्रीत है। राज्य सरकार ने इस शिक्षा नीति की भावना को जमीनी स्तर पर साकार करने के लिए कई कदम उठाए हैं। इनमें राजकीय विद्यालयों में शनिवार को 'नो बैग डे' आयोजित कर बच्चे को तनावमुक्त कर कला, खेलकूद, नेतृत्व क्षमता, सहकारिता व सहयोग की भावना पर जोर देना शामिल है।

इसी की कड़ी में कक्षा 1 से 5 तक के बच्चों की पुस्तकों को जोड़कर इस शैक्षणिक वर्ष में दो चरणों में, प्रत्येक चरण में दो-दो पुस्तकों के रूप में वितरित किया जाएगा। इससे विद्यार्थियों के स्कूल बैग का भार लगभग 50 प्रतिशत तक कम हो जाएगा। यह व्यवस्था बच्चों के लिए पढ़ाई को बोझ नहीं बल्कि आनंद का माध्यम बनाने की दिशा में एक ठोस कदम है।

अगले शैक्षणिक वर्ष से प्रत्येक तिमाही के लिए केवल एक ही समेकित पुस्तक भेजी जाएगी, जिससे बच्चों पर किताबों का भार और घटकर 25 प्रतिशत रह जाएगा। यह व्यवस्था राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप है, जिसमें विद्यार्थियों पर अनावश्यक शैक्षिणक दबाव कम करने, समग्र विकास तथा अनुभवात्मक शिक्षण पर विशेष बल दिया गया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में शिक्षित राजस्थान अभियान के तहत राज्य सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि बच्चों को हल्का स्कूल बैग, सुरक्षित वातावरण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले। शिक्षा केवल परीक्षा तक सीमित न रहे, बल्कि बच्चों के व्यक्तित्व, कौशल और नैतिक मूल्यों के विकास का माध्यम बने। पुस्तक भार कम करने की यह पहल भी इसी सोच का परिणाम है।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही उद्देश्य- गौरतलब है कि राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए निरंतर बहुआयामी प्रयास किए जा रहे है। इन्हीं प्रयासों के तहत विद्यालयों में आधारभूत संरचनाओं का सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है। नए कक्षा-कक्ष, स्मार्ट क्लास, विज्ञान प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय तथा स्वच्छ पेयजल एवं शौचालय सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देते हुए ई-कंटेंट, स्मार्ट बोर्ड और आईसीटी आधारित शिक्षण को प्राथमिक विद्यालयों तक पहुंचाया जा रहा है, जिससे बच्चे तकनीक के साथ सीख सकें। नामांकन वृद्धि और ड्रॉपआउट कम करने के लिए विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं, ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देते हुए दिव्यांग, वंचित एवं ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों के लिए विशेष योजनाएं लागू की जा रही है।

व्यवहारिक, आधुनिक और विद्यार्थी-केंद्रित स्कूल शिक्षा के लिए अभिनव पहल-

इन सभी पहलों का उद्देश्य शिक्षा को व्यवहारिक, आधुनिक और विद्यार्थी-केंद्रित बनाना है। पुस्तक भार में कमी से बच्चों की नियमित उपस्थिति बढ़ेगी, सीखने में रुचि विकसित होगी और अभिभावकों की चिंता भी कम होगी। राज्य सरकार की यह दूरदर्शी पहल राजस्थान को शिक्षा के क्षेत्र में एक अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। यह कदम आने वाले वर्षों में बच्चों के शैक्षणिक परिणामों, स्वास्थ्य और समग्र विकास पर सकारात्मक परिणाम का एक बड़ा कदम साबित होगा।

–डॉ. अमृता कटारा,
एपीआरओ, राजस्थान सरकार

टोंक में पुलिस ने गुम हुये 80 मोबाइल बरामद कर परिवादियों को लौटाये

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीना के निर्देशन में जिले में चलाये गये विशेष अभियान के तहत आमजन के गुमशुदा मोबाइल नहीं मिलने के सम्बन्ध में आये दिन प्राप्त हो रहे परिवादों को संज्ञान में लेकर पिछले एक वर्ष में गुमशुदा ऐसे मोबाइलों को बरामद करने हेतु सायबर टीम ने कार्यवाही करते हुए गुमशुदा मोबाइलों की एक्टिवेशन डिटेल प्राप्त करने के बाद बरामद कर सम्बन्धित थाना स्तर पर एक विशेष टीम बनाकर मोबाइल बरामद करने का अभियान चलाया गया। उक्त अभियान के दौरान अब तक 80 मोबाइल बरामद किये जा चुके हैं। बरामद मोबाइलों की अनुमानित किमत लगभग 14 लाख 7 हजार हैं। बरामद किये गये 80 मोबाइल सम्बन्धित परिवादियों को वितरित करने हेतु नव वर्ष पर जिला एवं थाना स्तर पर एक साथ कार्यक्रम आयोजित कर सम्बन्धित परिवादियों को मोबाईल वितरित किये गये।

■ **बरामद मोबाइलों की किमत 14.7 लाख रुपये बताई**

इसके अलावा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव के निर्देशन में वृत्ताधिकारी उनियारा आकांक्षा चौधरी एवं सोप थानाधिकारी विनोद कुमार के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा सोप थाना क्षेत्र स्थित गलवानिया बांध की पाल के पास सार्वजनिक स्थान पर रूपये/पैसों का दांव लगाकर संगठित होकर जुआ सट्टा खेलते हुए आरोपी दिनेश सिंह पुत्र उमराव सिंह, महेन्द्र सिंह पुत्र भवानी, नफीस हुसैन पुत्र शेर खां, गोविन्दा पुत्र कैलाश, राकेश पुत्र रामप्रसाद मीना को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 63 हजार 510 रूपये जुआ राशि एवं सट्टा उपकरण व एक कार को जब्त किया गया।

पुलिस ने जब्त मोबाइल परिवादियों को लौटाये।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

मंगलवार 6 जनवरी, 2026

माघ मास, कृष्ण पक्ष, तृतीया तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2082, आश्लेषा नक्षत्र दिन 11:18 तक, प्रीति योग रात्रि 8:21 तक, विष्टि करण प्रात: 8:02 तक, चन्द्रमा आज दिन 11:18 से सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-धनु, बुध-धनु, गुरू-मिथुन, शुक्र-धनु, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से दिन 12:18 तक है। भद्रा प्रात: 8:02 तक रहेगी। आज अंगारक सकष्ट चतुर्थी और तिलकुटा चौथ व्रत है। चन्द्रोदय जयपुर में रात्रि 9:04 पर होगा। आज सौभाग्य सुन्दरी व्रत है। आज चतुरथी तिथि का क्षय हुआ है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:56 से 11:14 तक, लाभ-अमृत 11:14 से 1:50 तक, शुभ 3:08 से 4:26 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:44

मेष
परिजनों के व्यवहार के कारण दु:ख हो सकता है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है।

वृष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

मिथुन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

कर्क
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति ठीक रहेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

सिंह
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति ठीक रहेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

तुला
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा।

धनु
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

मकर
परिवार में आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है। दिन के मध्यान्ह पश्चात चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है।

कुंभ
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्य योजना बनेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। स्वास्थ्य में सुधार होगा।